वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 | अंक : 198 | गुरुवार 16 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान विधानसभा आम चुनाव-2023

प्रदेशभर में ईवीएम मशीनों की कमिशनिंग शुरू

पहली बार अभ्यर्थियों ने देखी टीवी मॉनिटर के माध्यम से वीवीपैट में सिंबल लोडिंग की प्रक्रिया

जयपुर. कासं

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पालना में बुधवार को अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रदेश भर में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवीपीएटी की कमिशनिंग के कार्य की शुरूआत हुई। इस दौरान पहली बार अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधियों ने सिंबल लोडिंग की प्रक्रिया टीवी मॉनिटर के माध्यम से देखी। विधानसभा आम चुनाव-2023 में पहली बार अभ्यर्थी या उनके प्रतिनिधि को ये सुविधा मिली है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि एम-3 ईवीएम बीयू, सीयू एवं वीवी पेट मशीनों की कमिशिंग का कार्य बुधवार से राज्य के समस्त जिलों में प्रारंभ हुआ। इसके लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बैंग्लूरू के इंजीनियर राज्य के समस्त

जिलों में उपस्थित होकर अभ्यर्थी या उनके प्रतिनिधि एवं रिटर्निंग अधिकारी की उपस्थिति में कमिशनिंग का कार्य संपन्न कर रहे हैं। ईवीएम वीवीपेट मशीनों की कमिश्निंग का कार्य आगामी 4 दिवस में पूर्ण कर लिया जाएगा। गुप्ता ने बताया कि निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची को अंतिम रूप देने के बाद ईवीएम एवं वीवीपीएटी की कमिश्निंग की जाती है। कमिश्निंग के दौरान भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बेंगलुरु के इंजीनियरों द्वारा सिंबल लोडिंग, बैलेट सेटिंग, मॉक पोल, मशीनों की सीलिंग इत्यादि की प्रक्रिया अपनायी जाती है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में यह काम किया जाता है। कमिश्निंग हॉल में लगाए गए टीवी मॉनिटर के माध्यम से अभ्यर्थी या उनके अभिकर्ता वीवीपीएटी में सिंबल (चुनाव चिन्ह) लोडिंग की प्रक्रिया को देख सकेंगे। कमिश्निंग के बाद प्रत्येक ईवीएम और वीवीपीएटी में नोटा सहित प्रत्येक उम्मीदवार के लिए एक वोट देकर मॉक पोल किया जाता है। इसके अतिरिक्त रेंडम रूप से चुने गए पांच प्रतिशत ईवीएम एवं वीवीपीएटी पर 1000 वोट डालकर मॉक पोल किया जाता है। इनके इलेक्ट्रॉनिक परिणाम का मिलान भी वीवीपीएटी के पेपर स्लिप से किया जाता है।

6000 मिठाई के बॉक्स के साथ भेजी शुभकामनाएं

रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन के मेंबर्स ने आर्मी जवानों की दिवाली में घोली मिठास

जयपुर. कासं। रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन ने दिवाली के त्योहार को खास अंदाज में मनाया। क्लब के अध्यक्ष अरुण पालावत और परियोजना निदेशक रोटेरियन अनिल अग्रवाल ने भारतीय सैनिकों के साथ त्योहार की भावना साझा की। 2023 में दिवाली मेला समारोह के दौरान क्लब ने सैनिकों को समर्पण के प्रति स्वीकृति के रूप में पारंपरिक देसी घी के लड्डू के 6000 बॉक्स भेजकर सभी को दिवाली की शुभकामनाएं प्रेषित की। सीनियर सदस्यों में सुरेश पोद्दार, ज्योति माहेश्वरी, डी डी अग्रवाल, रिषभ रानीवाला, ध्रुव भारी, अर्जुन सक्सेना और रोटेरियन हेमेंद्र सिंह शामिल थे। 6000 बॉक्स की मिठाईयां दिवाली मेला के इवेंट में उपस्थित लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, जो साउथ वेस्टर्न कमांड के जयपुर आधारित जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ हैं और लेफ्टिनेंट कर्नल गोधरा को प्रदान की गईं।

साउथ वेस्टर्न कमांड के स्टाफ चीफ लेफ्टेनेंट जनरल ए अरुण ने कहा कि यह क्लब मोरेल बूस्टर के रूप में कार्य कर रहा है। रोटरी क्लब जयपुर मिडटाउन टीम के बोर्ड के सदस्य कांति बजाज, डॉ. सी एम भंडारी, प्रभात डुगर, हेमेंद्र सिंह, नवीन जैन और सत्य नारायण जोहरी इस दौरान मौजूद रहे।

सर्द हवा और धुंध के असर से सर्दी का जोर

जयपुर. कासं

प्रदेश में उत्तर से आ रही सर्द हवा और आसमान में छाई धुंध के असर ने धूप की तपिश को कम कर दिया है। बीती रात से पारे में हुई गिरावट ने प्रदेशवासियों को कड़ाके की सर्दी का अहसास हुआ। राजधानी जयपुर में बीती रात सीजन की सबसे सर्द रात रही। वहीं शेखावाटी अंचल में पारे में आई गिरावट ने लोगों को घरों में दुबकने पर विवश कर दिया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में मौसम शुष्क रहने और उसके बाद धुंध छंटने पर पारे में गिरावट होने के संकेत दिए हैं।

जयपुर में सीजन की सबसे सर्द रात

बीती रात पिंकसिटी में सीजन की सबसे सर्द रात रही। रात में पारा 3 डिग्री लुढक कर 14.7 डिग्री सेल्सियस रहा। जो अभी तक नवंबर माह में सबसे कम रहा है। दिन में आसमान में छाई धुंध ने धूप की तपन को कम कर दिया तो रात में सर्द हवा के जोर से सर्दी ने अब रफ्तार पकड़ ली है। मौसम सर्द होते ही अब शहरवासी गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आने लगे हैं।

शेखावाटी अंचल में सर्दी छुड़ा रही धूजणी

बीती रात शेखावाटी अंचल में फिर से पारे ने उलटी चाल चली। सर्द हवा और पारे में गिरावट ने लोगों को सर्द मौसम का अहसास करा दिया। सीकर में बीती रात पारा करीब 6 डिग्री तक लुक कर 9 डिग्री सेल्सियस पर ठहर गया। वहीं फतेहपुर कस्बे में भी न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री और चूरू में 10 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रेकॉर्ड किया गया।

वोटर स्लिप में फोटो की जगह होगा QR कोड

जयपुर. कासं

प्रदेश में 25 नवंबर को होने वाले चुनाव में मतदाताओं को फोटो युक्त पर्ची की जगह 5 दिन पहले क्यूआर कोड वाली वोटर स्लिप मिलेगी। इसको स्कैन करते ही उनकी जानकारी के साथ ही विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र की जानकारी मिल जाएगी। इससे मतदाताओं को मतदान केंद्र खोजने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। निर्वाचन विभाग की ओर से 80 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग और दिव्यांगों (40 प्रतिशत से ज्यादा) को होम वोटिंग की सुविधा के बाद क्यूआर कोड वाली वोटर स्लिप पहली बार दी जाएगी। इधर, निर्वाचन विभाग की ओर से 1 करोड़ 25 लाख परिवार को पॉकेट गाइड भी दी जाएगी। इस बार जयपुर जिले में 50 लाख 95 हजार 362 वोटर्स वोट डालेंगे। नई व्यवस्था के तहत वोटर स्लिप निर्वाचन विभाग की ओर से जिला अधिकारी को दी जाएगी। यहां से विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर फिर सुपरवाइजर से बीएलओ के पास पहुंचेगी। बीएलओ घर-घर जाकर बांटने के साथ ही पर्ची के सही वोटर्स को मिल रही है या नहीं का सत्यापन भी करेगा। स्लिप पर मतदाता का नाम, फोटो की जगह क्यूआर कोड, हेल्पलाइन नंबर, मतदान केंद्र की जानकारी, सूची में नाम कौन से नंबर पर है आदि जानकारी अंकित रहेगी। पर्ची के साथ 12 तरह के दस्तावेजों में आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पासपोर्ट सहित 12 तरह के दस्तावेजों में से एक ले जाना अनिवार्य है। क्यूआर कोड वाली पर्ची का जारी करने का मकसद चुनाव में पारदर्शिता और मतदाताओं को घर बैठे जानकारी मिल सकेगी। जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों के कुल 4 हजार 691 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इन मतदान केंद्रों पर 6420 बैलेट यूनिट, 5623 कंट्रोल यूनिट और 6089 वीवीपैट मशीनों से वोटिंग होगी।

राजभवन में मनाया जनजातीय गौरव दिवस

राज्यपाल कलराज मिश्र बोले-जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा में लाने के हों प्रयास

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर राजभवन में जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग की ओर से आयोजित जनजातीय गौरव दिवस और सम्मान समारोह में आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि जनजातीय समुदाय को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ा समाज है। राष्ट्र के लिए उनका जो योगदान रहा है, उसे बड़े स्तर पर रेखांकित करने के भी प्रयास होने चाहिए। उन्होंने आदिवासी कला, संस्कृति व शिल्प वैभव से जुड़े कार्यों और प्रकृति संरक्षण से जुड़ी उनकी परम्पराओं को संरक्षित करने के लिए भी प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय की युवा प्रतिभाओं के विकास के लिए अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाएं। जनजातीय समुदाय के उत्थान और उनके विकास की सामूहिक सोच को केंद्र में रखते हुए देश में 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस घोषित किया गया है। मिश्र ने कहा कि जनजातियों के सशक्तिकरण के लिए देशभर में कार्य हो रहे हैं, लेकिन अभी इस दिशा में और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने जनजातीय समुदाय की प्रकृति संरक्षण से जुड़ी परंपराओं से सीख लेने और उनके क्षेत्र के उत्पादों को उपयोग में लेकर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने की भी आवश्यकता जताई। मिश्र ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति क्षेत्र के लोगों का महती योगदान रहा है। इस योगदान के अनछुए पहलुओं को भी अधिकाधिक सामने लाने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के लोगों से संवाद कर उनके अतीत के गौरव को उजागर करने, शिक्षा के प्रभावी प्रसार और उनके कल्याण की योजनाओं के व्यावहारिक क्रियान्वयन के लिए सार्थक प्रयास करने पर जोर दिया। इससे पहले कलराज मिश्र ने जनजातीय क्षेत्र के उत्पादों की लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने बाद में उत्कृष्ट कार्य के लिए चयनित वनधन विकास केंद्रों, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के उत्कृष्ट कर्मियों, जनजातीय कलाकारों, जनजाति विभाग के विद्यालय और आवासीय विद्यालयों के छात्र छात्राओं तथा मां-बाड़ी केंद्रों के चयनित स्वास्थ्य और शिक्षाकर्मियों को ''जनजातीय गौरव'' पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर जनजातीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता ने जनजातीय गौरव दिवस के महत्व और राजस्थान में जनजातीय समुदाय के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले सेनानियों के बारे में अवगत कराते हुए जनजातीय विकास विभाग की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने राज्यपाल को आदिवासियों के भगवान कहे जाने वाले बिरसा मुंडा का चित्र भी भेंट किया।

अमीन पठान ने छोड़ी बीजेपी, कांग्रेस में हुए शामिल

जयपुर. कासं। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। अमीन पठान के साथ कोटा दक्षिण नगर निगम के वार्ड नंबर 34 से पार्षद असमा पठान, पूर्व पार्षद शहनाज कुरैशी, किसान मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश चोन, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष डॉ. मुश्ताक अहमद, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री फिरोज पठान, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कोटा देहात के जिलाध्यक्ष फिरोज खान, भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री हुसैन देशवाली समेत कई नेताओं ने कांग्रेस पार्टी जॉइन की। राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी सुखविंदर सिंह रंधावा और सीएम अशोक गहलोत ने सभी लोगों को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर कांग्रेस जॉइन करवाई। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जो व्यक्ति पूरी तरह से बीजेपी में समर्पित है, वो लोग कांग्रेस में आए हैं। जिस तरह का माहौल बीजेपी ने बना रखा है, कोई भी व्यक्ति यह प्रश्न नहीं करेगा कि मैं ऐसे माहौल में काम कर सकूं। यही कारण हैं कि इन्होंने कांग्रेस पार्टी जॉइन की है। कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय पार्टी है। इसका शानदार इतिहास रहा है। आजादी के बाद भी इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे लोगों ने कुर्बानियां दी। अमीन पठान ने कहा- मैं पिछले 25 सालों से बीजेपी में पार्षद से लेकर कई बोर्ड का अध्यक्ष रहा हूं। जब हमने भाजपा जॉइन की थी, तब भैरों सिंह शेखावत और अटल जी की भाजपा होती थी।

वेद ज्ञान

शब्दब्रह्म

शब्दब्रह्म रूपी कमल आचरण व साधना की उर्वरा भूमि पर ही खिलता है। आचरण की सभ्यता व मौलिकता इसकी दीर्घजीविता का मूल है। आडंबर व कृत्रिमता की कोख से जन्मा शब्द, शब्दभ्रम तो हो सकता है, लेकिन शब्दब्रह्म नहीं। शब्द ब्रह्म अकाट्य, अनश्वर व अविनाशी होता है। शब्दब्रह्म के चुने गए खुशबूदार शब्द-पुष्पों से वाणी का निर्माण होता है। वाणी अभिव्यक्ति का शाश्वत शृंगार है। व्यक्ति के क्षय हो जाने के बाद भी वाणी किसी न किसी रूप में ब्रह्मांड में कायम रहती है। शब्दभ्रम के कृत्रिम पुष्पों से अभिव्यक्ति का सांसारिक गंतव्य तो सिद्ध हो सकता है, लेकिन जीवन के असली गंतव्य और शब्दब्रह्म की शाश्वतता और स्थायित्व को प्राप्त नहीं किया जा सकता। जब शब्द व अभिव्यक्ति आचरण और तप साधना में पगकर उपजते हैं तो वे भाषाई मिसाइल का कार्य करते हैं। आचरणयुक्त अनुप्रयोग की शत-प्रतिशतता से वे गृहीता का भी कायाकल्प करने की क्षमता रखते हैं। शब्दों का अपव्यय इनकी ऊर्जा व शक्ति-सामर्थ्य को भी कम कर सकता है, जबकि इनका संचय व सार्थक उपयोग नई जीवनीशक्ति उपहार में देता है। अविवेकपूर्ण शब्द प्रयोग दुविधा उत्पन्न कर खुद को ही तनाव, दबाव और चिंता में डाल देता है। इसके विपरीत शब्द का सार्थक व सोद्देश्य निवेश दूसरों के लिए भी कल्याणकारी सिद्ध होता है। शब्दब्रह्म की प्रामाणिकता प्राप्त कर देने वाला शब्द दूसरों के कष्ट, संताप, व्याधि व वेदनाओं का भी हरण कर सकता है। स्वयं और दूसरों के लिए वह सर्वथा हितैषी व कल्याणकारी सिद्ध होता है। परिष्कृत शब्द संत की तरह निर्मल और निश्छल होता है। वह हृदय सरोवर में लोगों के उद्धार के लिए ही अवतरित होता है। वही कभी मीरा, नानक, कबीर, रैदास की वाणी बनकर युग का नेतृत्व व मार्गदर्शन करता है और कभी गीता, भागवत व पुराणों की मंत्र-संहिता बनकर साधकों की मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला शक्तिपीठ बनता है। वह दूसरों को व्याधि-मुक्त करने का अमोघ-शस्त्र है। झूठ, कुचिंतन व कुसंगति-प्रेरित शब्द समाज में जहर, वितृष्णा व वैमनष्यता के अलावा कुछ भी प्रचारित-प्रसारित करने की सामर्थ्य नहीं रखते। विध्वंसक बनकर वे निरंतर मन व समाज को तोड़ने का कार्य करता है।

संपादकीय

कहीं हर बार की तरह इस बार भी दफन न हो जाएं पुराने सवाल

उत्तरकाशी की ताजा घटना ने दो साल पहले उत्तराखंड के ही तपोवन सुरंग हादसे की याद ताजा कर दी। उसमें भी कई मजदूरों की जान पर बन आई थी, जिनको बाहर निकालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, दोनों घटनाओं में एक बुनियादी फर्क यह है कि तपोवन हादसे में ग्लेशियर टूटने के कारण टनल में पानी के तेज बहाव के साथ गाद जमा हो गई थी और मजदूर फंस गए थे, जबकि उत्तरकाशी हादसे की वजह तकनीकी, और कुछ हद तक लापरवाही मानी जा रही है। यह घटना क्यों और कैसे हुई, इसका पूरा विवरण को जांच के बाद ही सामने आएगा, पर इस हादसे ने पर्यावरण बनाम विकास की बहस को एक बार फिर जिंदा कर दिया है। पहाड़ के बारे में कहा जाता है कि यहां छोटी सी भौगोलिक घटना भी काफी असर डालती है, चाहे उसका प्रभाव तुरंत पड़े या कुछ दिनों के बाद। इसका अर्थ यह है कि अगर पहाड़ पर हल्की तीव्रता का भी कोई भूकंप आता है, तो स्थानीय संरचना की वजह से यह जरूरी नहीं है कि वह तत्काल अपना असर दिखाए। इसमें कुछ दिनों या महीनों का वक्त लग सकता है। इसी तरह, मानवीय त्रुटियों का असर भी तुरंत नहीं दिख सकता। और जब पहाड़ की संरचना कमजोर हो, तो ऐसी परिस्थितियां काफी खतरनाक साबित हो सकती हैं। लिहाजा, सोचने का विषय यह है कि पहाड़ आखिर कमजोर क्यों पड़ते जा रहे हैं? यह सही है कि हिमालय की बनावट इसे दुनिया की सबसे नई और कमजोर पर्वत-शृंखला बनाती है, क्योंकि यह पहाड़ इंडियन और यूरेशियन प्लेट्स के आपस में टकराने से बना है, जो आज भी जारी है। मगर यह अब अनियोजित विकास की कीमत भी चुका रहा है। हिमालय क्षेत्र में जल-विद्युत परियोजनाओं, सड़कों व रेल-पटरियों का जाल बिछाया जा रहा है। चार धाम परियोजना को लेकर तमाम तरह के सवाल उठते रहे हैं। कहा जा रहा है कि अगले एक दशक में उत्तराखंड में 66 टनल बनाने की योजना है, जिनमें से 18 चालू भी हो गए हैं। जोशीमठ में ही जब घरों में दरारें पड़ने के मामले सामने आए थे, तब भूवैज्ञानिकों का मानना था कि मानव-जनित कार्यों के कारण करीब 6,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित चमोली का यह शहर कई जगहों पर धंस रहा है। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी कुछ इसी तरह के तर्क दिए थे। ये सब तस्दीक कर रहे हैं कि कहीं न कहीं चूक जरूर हो रही है, जिस पर तत्काल ध्यान देना होगा। हालांकि, इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि पहाड़ की ऊंचाई पर विकास के काम नहीं होने चाहिए। बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण ही अब कई पहाड़ी गांव वीरान हो चुके हैं। यहां गांव के गांव खाली हैं। इसलिए, पहाड़ पर रहने वालों को भी बिजली, पानी, सड़क आदि की सुविधाएं मिलनी चाहिए। मगर हां, इस विकास की रूपरेखा पर गहन विचार-विमर्श की जरूरत है। अनियोजित विकास पर्वतों पर ही नहीं, मैदानी इलाकों पर भी भारी पड़ सकते हैं। विशेषकर, पहाड़ अगर हिमालय के हों, क्योंकि इसके नीचे करीब 20 मिलीमीटर प्रतिवर्ष की गति से इंडियन प्लेट आज भी यूरेशियन प्लेट के नीचे घुस रही हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अनियंत्रित निर्माण

हिमालय के ऊपरी हिस्से में एक सुरंग के निर्माण के दौरान उसके ढह जाने से 40 श्रमिक फंस गए और उन्हें बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार की चार धाम राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना का यह हिस्सा उत्तरकाशी क्षेत्र में ब्रह्मखाल और यमुनोत्री के बीच स्थित है। यह मानने की पर्याप्त वजह है कि इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं होगी और कामगार इस मुश्किल परिस्थिति से सकुशल निकल आएंगे लेकिन यह एक और चेतावनी है कि देश के बड़े पहाड़ी इलाकों में अधोसंरचना परियोजनाओं को राजनीतिक कारणों से बढ़ावा दिया जा रहा है तथा इस दौरान तकनीकी और पर्यावरण संबंधी आकलन को बिल्कुल ध्यान में नहीं रखा जा रहा है। ऐसा आकलन अहम काम को टालने का जरिया नहीं है। बल्कि इनकी मदद से यह सुनिश्चित किया जाता है कि इन कठिन क्षेत्रों में होने वाला निर्माण वहां काम कर रहे लोगों या बाद में उसका इस्तेमाल करने वाले लोगों के लिए किसी तरह जोखिम भरा साबित न हो। ये इलाके भूस्खलन, अचानक आने वाली बाढ़ और यहां तक कि भूकंप के जोखिम वाले होते हैं। यहां होने वाले अधोसंरचना निर्माण का पर्याप्त मजबूत होना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ये निर्माण कई तरह के खतरों की जद में रहते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण न केवल मौसम में अतिरंजित बदलाव हुए हैं बल्कि बादल फटने की घटनाएं भी घटी हैं। इस संदर्भ में चार धाम राजमार्ग जैसी विशालकाय निर्माण परियोजनाओं को तब तक खतरनाक माना जाना चाहिए जब तक कि उन्हें जलवायु वैज्ञानिकों और पारिस्थितिकी विशेषज्ञों की निगरानी में ध्यानपूर्वक तैयार नहीं किया गया हो। प्रत्येक कुछ सप्ताह में ऐसी खबर आती है कि इस क्षेत्र में किसी न किसी बड़ी परियोजना के साथ कुछ न कुछ घटित होता है। अभी कुछ सप्ताह पहले ही असम और अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर सुबनसिरि लोअर जलविद्युत परियोजना को एक भीषण भूस्खलन का सामना करना पड़ा जिसके चलते इस क्षेत्र में निर्माण कार्य खतरे में पड़ गया। भूस्खलन के कारण वह इकलौती सुरंग बंद हो गई जिसका इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा था कि नदी का पानी आसपास के उस इलाके में पहुंचे जहां बांध का निर्माण हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि भूस्खलन के कारण आठ अलग-अलग नहरें भी प्रभावित हुईं जिन्हें रास्ता बदलने के लिए इस्तेमाल किया जाना था। अक्टूबर के आरंभ में तीस्ता नदी के ऊपरी इलाके में अचानक आई बाढ़ के कारण चुंगथांग बांध के कुछ हिस्से बह गए और तीस्ता वी पावर स्टेशन (खबर के मुताबिक एक जान भी गई) को बंद करना पड़ा। तीस्ता-3 और तीस्ता-4 को गाद और कीचड़ से नुकसान पहुंचा और तीस्ता-6 के निर्माण को काफी नुकसान पहुंचा। राष्ट्रीय जल विद्युत निगम (एनएचपीसी) ने एक नियामकीय फाइलिंग में बताया कि उसे 233.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इससे पहले गर्मियों में केंद्रीय बिजली प्राधिकरण ने अनुमान लगाया था कि जुलाई में आई बाढ़ के कारण जलविद्युत क्षेत्र को 164 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अब वक्त आ गया है कि हम एक कदम पीछे लेकर उस प्रक्रिया का दोबारा आकलन करें जिसके माध्यम से ऐसी परियोजनाओं को मंजूर किया जाता है। चार धाम जैसी सामाजिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति इस बात का विकल्प नहीं हो सकती है कि वे तकनीकी रूप से व्यावहारिक हैं भी या नहीं।

राज्यपाल से सप्त शक्ति कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। राज्यपाल कलराज मिश्र से बुधवार को राजभवन में सप्त शक्ति कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

समग्र जैन समाज का दीपावली स्नेह मिलन समारोह शुक्रवार को

जुटेंगे हजारों जैन बन्धु

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा समग्र जैन समाज का दीपावली स्नेह मिलन समारोह शुक्रवार को रखा गया है। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक इस आयोजन में सकल जैन समाज(दिगम्बर एवं श्वेतांबर जैन समाज)शामिल होगा। शुक्रवार को सायंकाल 4.00 बजे से 7.00 बजे तक नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में आयोजित इस समारोह के लिए रोटेरियन/लॉयन सुधीर जैन गोधा एवं मनीष बैद को समन्वयक बनाया गया है। इस आयोजन में जैन बन्धुओं सहित दिगम्बर एवं श्वेतांबर जैन समाज के युवा मण्डल, महिला मण्डल, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, संगिनी फारम, मंदिर कमेटियों सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों तथा समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

चातुर्मास में सेवा देने वालों का हुआ सम्मान

पंचकल्याणक महोत्सव में भारत के कई नगरों के लोग होंगे शामिल

घाटोल. शाबाश इंडिया

श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर मे परम पूज्य सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज, मुनि श्री अनंत सागर जी महाराज, मुनि श्री धर्म सागर जी महाराज, मुनि श्री भाव सागर जी महाराज के सानिध्य में प्रातःकाल की वेला में चातुर्मास में सेवा देने वालो का सम्मान हुआ इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री विमल सागर जी महाराज ने कहा कि मानस्तंभ की प्रतिष्ठा होना है ,यह महासौभाग्य है आप लोग तैयार हो जाओ, सभी लोगों को मिलकर यह महोत्सव संपन्न करना है ,मुनि श्री भाव सागर जी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति है सम्मान करने की इसलिए कोई अच्छा कार्य करता है तो सम्मान करना चाहिए,वासुपूज्य भगवान जब नवीन वेदी पर विराजमान होंगे पूरी दुनिया के लोग दर्शन करने आएंगे। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की साधना के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्धि हुई है,पंचकल्याणक महोत्सव अच्छे से संपन्न करना है पूरे भारत से लोग आएंगे और आप सभी को व्यवस्था करना है, यह कार्य किसी एक व्यक्ति का नहीं है सभी को मिलकर के करना है, प्रभु का रथ सभी के घरों के आगे से निकलना चाहिए जिससे बीमार, वृद्ध लोगों को प्रभु के दर्शन हो सके, मांगलिक कार्यों में वस्त्र नए पहनते हैं लेकिन कुछ लोग प्रतिदिन पूजन आदि के कार्यों में कटे फटे वस्त्र पहनते हैं यह अमंगल का प्रतीक है। भगवान के लिए परोपकार गौशाला आदि के लिए जो दान दिया जाता है उसका उपयोग उन्हीं कार्यों में करना चाहिए ,जो दान बोलकर राशि नहीं देते हैं उनको बहुत सी बीमारियां, परेशानियां आती है अजित लालावत ने बताया कि पंचकल्याणक महोत्सव तीर्थंकर वाटिका श्री आदिनाथ मंदिर के सामने प्रतापगढ़ रोड पर 11 से 16 दिसंबर तक संपन्न होगा इसमें पूरे भारत से लोग शामिल होंगे यह कार्यक्रम ब्रह्मचारी प्रदीप, ''सुयश'' अशोक नगर के निर्देशन में होगा। 18 नवंबर को 15 वर्षो बाद मानस्तंभ की 8 प्रतिमाओं का महामस्तकाभिषेक , शांतिधारा, पूजन प्रातः 6:30 बजे होगी फिर पंचकल्याणक के पात्रों का चयन होगा इस कार्यक्रम में पंचकल्याणक महोत्सव समिति अध्यक्ष धनपाल लालावत, जैन युवा संगठन अध्यक्ष वैभव घटालिया ने सभी का सम्मान किया।

संकलनः
अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

मुनि श्री विमर्श सागर जी का अवतरण दिवस मनाया

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

गुरुवर श्री विमर्श सागर जी के अवतरण एवं मुनि श्री विचिन्तय सागर जी के दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में विमर्श जागृति मंच परिवार अशोकनगर द्वारा प्रातः पार्श्वनाथ जिनालय में भक्ति भाव पूर्वक

अभिषेक, शांतिधारा पूजन एवं आरती की गई तथा श्वेताम्बर जैन समाज द्वारा संचालित भोजन शाला में निर्धनों को खीर पूड़ी भी वितरित की गई।इस मोके पर विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची, प्रचार मंत्री एस. के.जैन , उपमंत्री विनोद भारिल्ल, शाखा अध्यक्ष अनूप बाबू, सदस्यगण विशाल बाँझल, प्रमोद मोहरी, मनीष जैन,अतुल बंसल,सुरेश, सौरभ तारई, डॉ. मोनू जैन, अमोलक चंद जैन, चिंतामणि जैन, विनोद जैन,राजेश जैन,महिला शाखा अध्यक्ष प्रीति मोहरी, वैशाली बाँझल, पूजा देरखा, शारदा भारिल्ल, ज्योति महिदपुर, अर्चना जैन, रवि, प्रियंका, सरोज, सुनीता, सृष्टि सहित अन्य उपस्थित थी।

भैंसलाना के पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में चार दिवसीय धार्मिक आयोजन

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का हुआ शुभारंभ,धूमधाम से निकली घटयात्रा

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे के श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को चार दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन शुरू हुआ ।सुबह मंदिर से गाजे बाजे के साथ घटयात्रा निकाली गई जो आजाद चौक,मैन बाजार,कुम्हारों का मोहल्ला,पाटनी मोहल्ला होते हुए वापस मंदिर में पहुंची। इस दौरान महिलाएं केसरिया वस्त्रों में सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी वही पुरुष वर्ग हाथों में ध्वज लेकर चल रहे थे। मंदिर में सुमेरचंद पाटनी परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। आयोजक अमित जैन ने बताया की ध्वजारोहण के बाद श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा की गई तत्पश्चात विधानाचार्य प.प्रमोद जैन शास्त्री के सानिध्य में विधान पूजन शुरू हुआ जिसमें संगीतकार महेश के भजनों के साथ भक्तिमय विधान पूजन आयोजित हुआ। शाम को मंगल आरती की गई। इस दौरान घीसालाल पाटनी, नवरतन जैन, कैलाश जैन, महावीर प्रसाद,अशोककुमार, विनोदकुमार, राजकुमार पाटनी, कपूरचंद जैन,पदमचंद जैन, राकेश जैन, अजय पाटनी, ललित पाटनी, सुभाष जैन, बसंत जैन, महेंद्र जैन आदि मौजूद रहे।

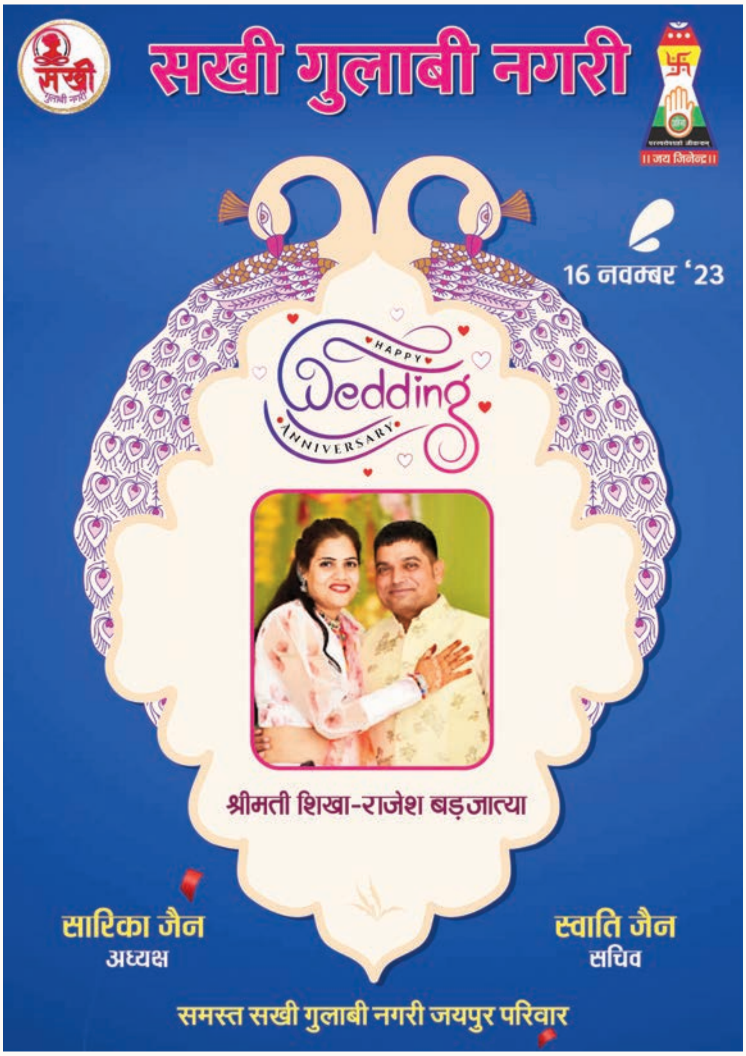

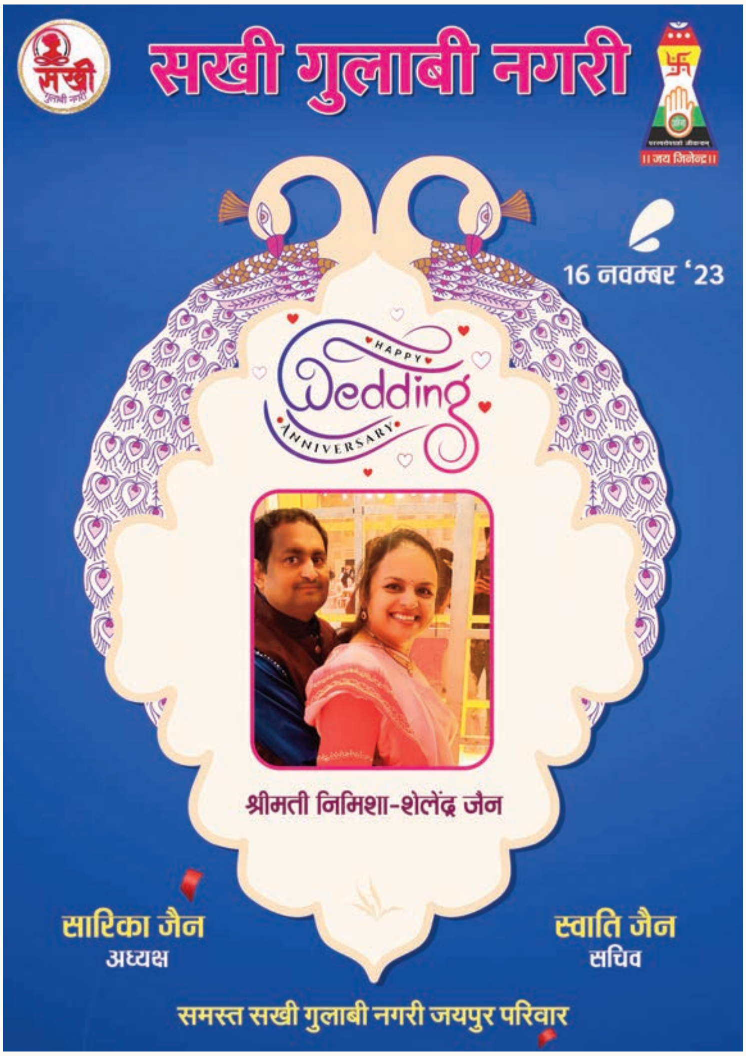

भाई दूज भाई-बहन के पवित्र रिश्तों का प्रतीक पर्व हैः महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। भगवान की भक्ति में हो या पारवारिक रिश्तों में समर्पण और प्रेम नहीं, स्वार्थ की भावना छिपी हुई है,तो भक्ति करना और रिश्ते निभाना व्यर्थ है। बुधवार जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार में महासती धर्मप्रभा ने भाई बहन के पवित्र त्यौहार भाई दुज पर श्रध्दालूओं को शुभ आशीर्वाद और बधाई देतें हुए कहा कि भाई दूज को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है इस दिन यम देवता की पूजा भी की जाती है। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाई को तिलक लगाकर और उपहार देकर उसकी लंबी आयु की कामना करती है और भाई बहन की रक्षा का वचन देता है।परन्तु आज रिश्तों मे स्वार्थ और दिखावट प्रदर्शन के कारण इस त्योहार में एक दूसरें में दूरियां बढ़ती जा रहीं है। पर्व मनाना तभी सार्थक होगा जब बहन और भाई निस्वार्थ भाव से भाई दुज पर्व के महत्व को समझकर इस पर्व को मनाएंगे तो ये पर्व मनाना परिवार और एक दुसरे केलिए सार्थक बन सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहां कि जब मनुष्य मे अंहकार आ जाता है तो स्वयं को सर्वशक्तिमान और दुसरो को तुच्छ समझने लग जाता है। और आगे निकलने के चक्कर मे वह स्वयं का पतन कर लेता है। अंहकार और घमंड को त्यागने वाला व्यक्ति ही संसार में महान बनता है। साहुकारपेट श्रीसंघ कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया कि श्री एस. एस.जैन संघ पुरषवाक्कम के अध्यक्ष विनयचंद पावेचा, महिपाल चौरडिया, धर्मीचंद कोठारी, गौतमचंद गुगलिया आदि ने 19 नवम्बर रविवार को कर्नाटक गजकेसरी गणेशलाल जी महाराज की 144 वीं जन्म जयंती समारोह में महासती धर्मप्रभा, साध्वी स्नेहप्रभा एवं श्री संघ साहुकार पेट को पधारने की पुरजोर शब्दों में विनती रखी और साध्वीवृंद ने श्री एस.एस. जैन संघ पुरषवाक्कम की विनती को स्वीकृति प्रदान करतें हुए जन्म जयंती कार्यक्रम में 19 नवम्बर को पधारने का स्वीकार किया।

किन्नरों ने पुलिसकर्मियों के साथ थाना परिसर में मनाया भाई दूज का त्यौहार

अम्बाह. शाबाश इंडिया। अम्बाह पुलिस ने जाति-धर्म-वर्ण से अलग हटकर तृतीय लिंग किन्नर के साथ भैया दूज का पर्व मनाया। उन्होंने किन्नरों से तिलक लगवाकर उन्हें उपहार भेंट किया। भाई-बहन के पवित्र रिश्तो का प्रतीक भैयादूज पर्व आज थाना परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इसी के तहत थाना परिसर में समाजसेवी राबिया किन्नर और उसके साथियों ने पुलिसकर्मियों का तिलक कर उनका मुंह मीठा कराया। इसके उपरांत पुलिस के भाइयों ने भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार राबिया किन्नर और उनके साथियों को गिफ्ट प्रदान किया। इससे पहले राबिया किन्नर ने नगर निरीक्षक सहित सभी पुलिसकर्मियों की आरती उतार कर उन्हें टीका किया और उनके लिए मंगल कामना की।

दीपावली स्नेह समारोह एवं भाई दूज कार्यक्रम संपन्न

दीपमाला का त्यौहार है, दीपावलीः ब्रह्माकुमारी माधुरी

मनीष विधार्थी. शाबाश इंडिया

शाहगढ़। प्रजापिता ईश्वरीय विश्वविद्यालय बी. एस. जैन कंपाउंड के तत्वावधान में दीपावली स्नेह समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया ।मंचासीन अतिथियों द्वारा दीपप्रज्लन दीप से दीप जलाओ कार्यक्रम जिसमें सभी उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा 101 दीप प्रज्वलित कर दीपावली महापर्व मनाया नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता ब्रह्माकुमारी बहिन माधुरी दीदी छतरपुर,दीपा दीदी, सुमन दीदी गोल्डी दीदी एवं विशेष प्रस्तुतियों वाले बच्चों का सम्मान तहसील प्रेस क्लब द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हुकुमचंद जैन जिला उपाध्यक्ष श्रमजीवी पत्रकार संघ अमरमऊ, मुख्य अतिथि प्रकाश अदावन अध्यक्ष तहसील प्रेस क्लब शाहगढ़, रमेश विश्वकर्मा अमरमऊ संयोजन एवं संचालन ब्रह्माकुमारी दीपा दीदी एवं मनीष विद्यार्थी, सभी मंचासीन अतिथियों ने अपने विचार रखे। अंत में कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी बहिन माधुरी दीदी ने अपनी उद्बोधन में कहा की दीपावली पर्व दीपों का पर्व है हम प्रतिदिन घर या मंदिर में एक -एक दीपक जलते हैं लेकिन दीपावली के दिन हम सभी भगवान के समक्ष अनेक दीपक जलते हैं इसलिए इस त्यौहार को दीपमाला या दीपों का त्यौहार भी कहते हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विधानसभा आम चुनाव-2023

17 नवंबर से शुरू होगा चुनाव कार्य में नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए डाक मतपत्रों से मतदान

जयपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर स्थापित होंगे सुविधा केन्द्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि विधानसभा आम चुनाव की ड्यूटी में लगे कार्मिकों, पुलिस अधिकारियों आदि के द्वारा डाक मतपत्र से मतदान करने हेतु जयपुर जिले में कुल 19 विधानसभा क्षेत्रों एवं अन्य जिलों में चुनाव कार्य में नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 67 मतदान बूथ स्थापित किये गए हैं। इन केंद्रों पर 17 नवंबर से 24 नवंबर तक विभिन्न दिवसों पर मतदान किया जा सकेगा। राजपुरोहित ने बताया कि जयपुर शहर में बनाए गए प्रशिक्षण केन्द्र पटेल भवन, नेहरू भवन, इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, महाराजा संस्कृत कॉलेज पोद्दार इंस्टिट्यूट, जवाहर कला केन्द्र, खेतान कॉलेज, कृषि संस्थान दुगार्पुरा, बिरला ऑडिटोरियम एवं कानोडिया कॉलेज में जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों हेतु 17 एवं अन्य जिलों हेतु 10 मतदान बूथ स्थापित किये गए हैं। इन बूथों पर 17 नवंबर से 21 नवंबर तक मतदान किया जा सकेगा। इसी प्रकार जयपुर ग्रामीण स्थित प्रशिक्षण केन्द्र जमवारामगढ़, विराटनगर, कोटपूतली, शाहपुरा, चाकसू, फुलेरा, चौमूं, दूदू एवं बस्सी पर जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों हेतु 9 एवं अन्य जिलों हेतु 9 मतदान बूथ स्थापित किये गए हैं। इन बूथों पर 17 नवंबर से 19 नवंबर तक मतदान किया जा सकेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दी जानकारी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सुविधा केन्द्र रिजर्व पुलिस लाइन चांदपोल, पुलिस अकादमी, पुलिस यातायात कार्यालय यादगार, रिजर्व पुलिस लाइन जयपुर ग्रामीण जलमहल, होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर एमआई रोड, आरएसी बटालियन 4वीं एवं 13वीं चैनपुरा एवं आरएसी बटालियन 5वीं घाटगेट में 21 नवंबर से 22 नवंबर, 2023 तक मतदान किया जा सकेगा। इन केन्द्रों पर जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं के लिए 8 एवं अन्य जिलों के मतदाताओं के लिए भी 8 मतदान बूथ स्थापित किये गए हैं। वहीं, मतदान दलों के रवानगी स्थल भवानी निकेतन महाविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी एवं राजस्थान महाविद्यालय में 24 नवंबर तक चुनाव ड्यूटी में नियोजित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मतदान किया जा सकेगा। इन सुविधा केन्द्रों में मतदाता की स्वयं की विधानसभा हेतु 3 एवं अन्य जिलों के मतदाताओं हेतु 3 मतदान बूथ स्थापित किये गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिये हैं कि उक्त सुविधा केन्द्रों के अतिरिक्त प्रत्येक रिटर्निंग अधिकारी स्वयं के कार्यालय में एक सुविधा केन्द्र 22 से 24 नवंबर तक स्थापित करना सुनिश्चित करेंगे।

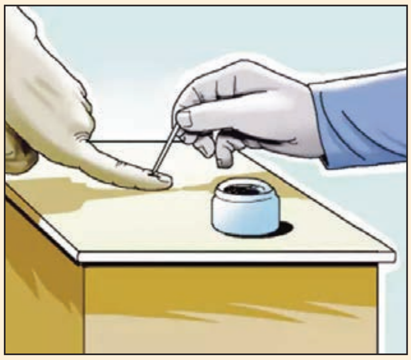

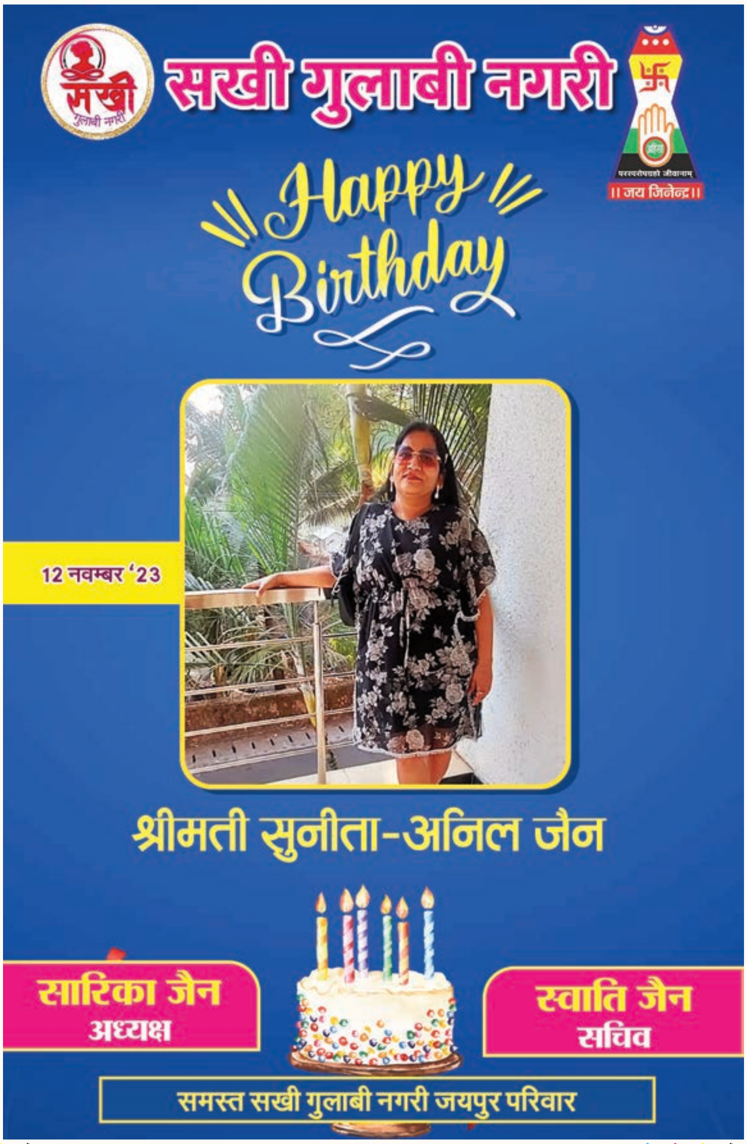

सीएम गहलोत की 7 गारंटी यात्रा को मिला व्यापक समर्थन

रलावता के समर्थन में रैली, द्रौपदी के पक्ष में की सभा

अजमेर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सात गारंटी योजना के तहत बुधवार को नगर के विभिन्न मार्गों पर निकाली गई सीएम गहलोत की रैली को व्यापक जनसमर्थन मिला। उत्तर विधानसभा क्षेत्र से शुरू हुई यात्रा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में सभा के साथ सम्पन्न हुई। इस मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद थे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बुधवार को करीब 11 बजे हेलीकॉप्टर से घूघरा हेलीपैड पर उतरे। जहां उत्तर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता सहित अन्य कांग्रेसजनों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद रलावता उनके साथ खुले वाहन में रवाना हुए और गहलोत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गांधी भवन सर्किल पहुंचे। जहां मौजूद सैकड़ों की तादाद में कांग्रेसजनों व शहरवासियों ने गहलोत जिन्दाबाद के नारे लगाए जिस पर गहलोत ने हाथ हिला कर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद कार्यकर्ता व समर्थक पैदल ही सात गारंटी योजना रैली में रवाना हुए जिन्होंने मुख्यमंत्री गहलोत के वाहन को घेर रखा था और उनके पीछे सैकड़ों समर्थक साथ चल रहे थे।

मोदी प्रदेशवासियों को बहका रहे हैं: गहलोत

प्रकाश रोड पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सभा में प्रदेश की जनता को बहकाने का काम किया। लेकिन जनता सब जानती है कि किस तरह राज्य सरकार ने जनहित के कार्यों को लागू किया है जो सभी वर्गों के लिए हितकारी है। सरकार के बेहतर कार्यो को जनता अच्छी तरह जानती है और किसी के बहकाने में आने वाली नहीं है। उन्होने सात गारंटी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इन सभी योजनाओं को कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। उन्होंने अजमेर की जनता से उत्तर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता व दक्षिण क्षेत्र से द्रौपदी कोली को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस की उपाध्यक्ष नसीम अख्तर इंसाफ व अन्य कांग्रेस नेता भी आदि मौजूद रहे।